PRESS RELEASE

Lok Sabha Speaker Shri Om Birla shops at Dussehra fair, boosts morale of small traders

Kota, 19 October, 2025: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla arrived at Kota's historic Dussehra fair late Saturday night and shopped around the market like an ordinary citizen. He visited various stalls and shops, met small traders and artisans, listened to their experiences, and also took suggestions to improve the fair’s organization.

Shri Birla said that the Dussehra fair is not just a place of entertainment and celebration, but also a platform to realize the resolve of a self-reliant India. Small traders, craftsmen, and artisans from across the country showcase products made by their own hands, which are the backbone of our local economy.

He added that it is essential to make the fair premises more organized and business-friendly so that artisans and entrepreneurs get opportunities to promote their art and products nationally and globally.

Direct interaction with traders

Shri Birla had detailed conversations with shopkeepers at the fair and understood the challenges related to their businesses. He assured small

traders that concrete steps would be taken to improve the fair’s infrastructure and facilities, keeping their suggestions in mind.

He said that such events should not be limited to cultural festivals alone but should also serve as a medium to promote local industry, handicrafts, and entrepreneurship. He also said that every trader coming to the fair should feel that it is their own platform, which provides them the opportunity to become self-reliant and economically empowered.

Enjoys the fair with a sip of tea

The Speaker spent time at the fair late into the night, enjoying the vibrant atmosphere. He sat among common people, sipped tea, and interacted with families visiting the fair.

Shri Birla said that the Dussehra fair is the identity of Kota, and each year the event reaches new dimensions and heights. We will strive to establish Kota’s Dussehra fair not only as a cultural festival but also as the biggest platform for local products, art, handicrafts, and entrepreneurship. Necessary basic infrastructure and facilities will be strengthened for this purpose.

He motivated small traders and entrepreneurs, saying, “Your hard work strengthens the country’s economy. Such entrepreneurs have the most crucial role in building a self-reliant India, and events like the Dussehra fair open new doors of opportunity for them.”

Citizens were enthusiastic about meeting the Speaker, who remained at the fair late into the night, and took photos with him. Interacting with people, Shri Birla wished everyone a happy upcoming Diwali, saying that the festival will bring happiness and prosperity to everyone’s lives.

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने दशहरा मेले में की खरीदारी, छोटे व्यापारियों का बढ़ाया हौसला

कोटा, 19 अक्टूबर, 2025: लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला शनिवार देर रात कोटा के ऐतिहासिक दशहरा मेले में पहुंचे और आम नागरिकों की तरह बाजार में घूमकर खरीदारी की। उन्होंने विभिन्न स्टालों और दुकानों पर जाकर छोटे व्यापारियों और कारीगरों से मुलाकात की, उनके अनुभव सुने और मेले के आयोजन को और बेहतर बनाने के लिए सुझाव भी लिए।

श्री बिरला ने कहा कि दशहरा मेला केवल मनोरंजन और उत्सव का स्थल नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने का भी मंच है। यहां देशभर से आए छोटे व्यापारी, हस्तशिल्पी और कारीगर अपने हाथों से बनाए उत्पादों को प्रस्तुत करते हैं, जो हमारी स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।

उन्होंने कहा कि इस मेला परिसर को और अधिक सुव्यवस्थित और व्यापार-अनुकूल बनाना आवश्यक है ताकि कारीगरों और उद्यमियों को अपनी कला और उत्पादों को देश-दुनिया तक पहुंचाने का अवसर मिल सके।

व्यापारियों से सीधे संवाद

श्री बिरला ने मेले में मौजूद दुकानदारों से विस्तार से बातचीत की और उनके व्यवसाय से जुड़ी चुनौतियों को समझा। उन्होंने छोटे व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि उनके सुझावों को ध्यान में रखते हुए मेले के ढांचे और सुविधाओं में सुधार के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों को केवल सांस्कृतिक उत्सव तक सीमित न रखकर स्थानीय उद्योग, हस्तशिल्प और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने का माध्यम बनाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि मेले में आने वाले हर व्यापारी को यह महसूस होना चाहिए कि यह उनका अपना मंच है, जो उन्हें आत्मनिर्भर बनने और आर्थिक रूप से सशक्त होने का अवसर प्रदान करता है।

चाय की चुस्की के साथ लिया मेले का आनंद

लोकसभा अध्यक्ष ने देर रात तक मेले में समय बिताया और वहां की रौनक का आनंद लिया। उन्होंने आम लोगों के बीच बैठकर चाय की चुस्की भी ली और मेले में आए परिवारों से संवाद किया।
श्री बिरला ने कहा कि दशहरा मेला कोटा की पहचान है और यह आयोजन हर वर्ष नए स्वरूप और नई ऊँचाइयों को छू रहा है। हमारा प्रयास रहेगा कि कोटा का दशहरा मेला न केवल सांस्कृतिक उत्सव के रूप में, बल्कि स्थानीय उत्पादों, कला, हस्तशिल्प और उद्यमिता के सबसे बड़े मंच के रूप में स्थापित हो। इसके लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे और सुविधाओं को और सुदृढ़ किया जाएगा।

उन्होंने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को प्रेरित करते हुए कहा कि आपका परिश्रम ही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाता है। आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ऐसे उद्यमियों की भूमिका सबसे अहम है, और दशहरा मेला जैसे आयोजन उनके लिए नए अवसरों के द्वार खोलते हैं।

मेले में देर रात तक मौजूद रहे लोकसभा अध्यक्ष से मिलने और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए नागरिकों में उत्साह देखा गया। श्री बिरला ने लोगों से संवाद करते हुए सभी को आगामी दीपावली की शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पर्व सबके जीवन में खुशियां और समृद्धि लेकर आए।